

उपखण्ड अधिकारी, भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)

अधीकारी:—चिन्मय गोपाल, आई.ए.एस.

दमा नम्बर:— 79/2004 राजस्व वाद

देबीलाल मुतबन्ना श्रीराम विश्णोई, उम्र बालिग निवासी जवाहरनगर—भीलवाड़ा तहसील जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)

बनाम

—वादी

श्रीमति मांगी बाई पत्नि श्री वल्भ विश्णोई, उम्र बालिग निवासी आजादनगर, देवनारायण मंदिर के पास, पेट्रोल पम्प के पीछे, आजादनगर—भीलवाड़ा तहसील व जिला भीलवाड़ा  
श्रीमति रामू पिता सोहनलाल विश्णोई पत्नि देबीलाल विश्णोई (मोड) निवासी विश्णोई पंचायत नौहरा के पास, पुर तहसील व जिला भीलवाड़ा (राजस्थान)  
राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार साहब, भीलवाड़ा तहसील व जिला भीलवाड़ा

—प्रतिवादीगण

वादपत्र अन्तर्गत धारा 88-89 व 188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

एवम् धारा 136 लैण्ड रेवेन्यू एक्ट 1956 बाबत खातेदार काश्तकार घोषित करवाने, इन्द्राज दुरुस्ती एवम् स्थायी निषेधाज्ञा

स्थित:—

श्री भैरूलाल वैष्णव,

श्री कैलाश चन्द्र सोमार्णी,

—

—

एडवोकेट—वादी

एडवोकेट—प्रतिवादी सं. 1 व 2

∴ निर्णय ∴

दिनांक:—11.12.2017

संक्षिप्त में वाद पत्र के तथ्य इस प्रकार है कि वादी ने एक वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88-89-188 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 एवं धारा 136 लैण्ड रेवेन्यू एक्ट 1956 के तहत प्रतिवादीगण के विरुद्ध प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि वादी प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के परिवार का सजरा निम्न प्रकार है:—

छोटू

।

भंवरलाल(फौत) सुखलाल(फौत) लालू(फौत) नाथू(फौत)

श्रीमति मांगीबाई  
(प्रतिवादी सं.1)

श्रीराम

सोहनलाल

(लाओलाद फौत)

उपखण्ड अधिकारी

रामचन्द्र

उभय पक्षों ने बहस करनी चाही। उभय पक्षों की बहस सुनी गयी। बहस के बाद वादी ने वादपत्र में अंकित तथ्यों, दस्तावेजों के आधार पर वाद पत्र को खरीज किये जाने की इस्तदुआ की।

जबकि वकील प्रतिवादी संख्या 1 व 2 द्वारा वादपत्र के खण्डन में प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर वाद पत्र को खरीज किये जाने की इस्तदुआ की।

मैंने पत्रावली का अवलोकन किया तथा उभय पक्षों की बहस पर मनन किया वार निर्णय इस प्रकार पारित किया गया।

नम्बर 1:-

" आया वादी का वाद पत्र के अनुसार वादी वाद को डिकी कराने के लिए है, इस तनकी को सिद्ध कराने का जिम्मा वादी पर था। विवादित आराजियात पटवार हल्का पांसल तहसील व जिला भीलवाड़ा में स्थित होकर श्रीराम पिता विशनोई साकिन भीलवाड़ा के नाम दर्ज रेकार्ड हैं। जिसकी ताईद प्रस्तुत जमाबंदी सम्वत् 2041 से 2044 से होती हैं। आराजी नम्बर 3801 रकबा 1 बीघा 14 मांगीबाई पत्नि सुखलाल, रामू पुत्री सोहन, नाबालिग बबिलायात मांगी पुत्री विशनोई साकिन भीलवाड़ा के नाम दर्ज रेकार्ड हैं। जिसकी ताईद प्रस्तुत राजस्व जमाबंदी की नकल सम्वत् 2067 स 2069 की जमाबंदी की नकल से होती हैं। वादा खाता श्रीराम पिता सुखलाल विशनोई साकिन भीलवाड़ा के बजाय श्रीमति पुत्री सुखलाल, रामू पुत्री सोहन नाबालिग बबिलायात मांगीबाई पुत्री सुखलाल साकिन भीलवाड़ा के नाम दर्ज हुई। जिसकी ताईद प्रस्तुत इंतकाल नम्बर 1177 से प्रस्तुत दस्तावेजों व वाद पत्र में अंकित तथ्यों के अनुसार वादी द्वारा गोद पुत्र के कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये। जबकि वकील प्रतिवादी संख्या 1 व 2 ने अपने वाद प्रस्तुत कर वाद पत्र की कलम नं0 1 में अंकित सजरे को गलत बताया गया व वादावा में सजरा प्रस्तुत किया है उसे सही होना अंकित किया हैं। इस बाबत कोई दस्तावेजी साक्ष्य व मौखिक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की। अतः यह तनकी वादी के पक्ष प्रतिवादी के पक्ष में निर्णित की जाती हैं।

नम्बर 2:-

" आया वादी का वाद पत्र का जवाब के अनुसार वादी का वाद पत्र खरीज इस तनकी को सिद्ध कराने का जिम्मा प्रतिवादी संख्या 1 व 2 पर था। जैसाकि नम्बर 1 के विवेचन से भी स्पष्ट हो चुका है कि वादी द्वारा अपने जिम्मे की को सिद्ध कराने में असफल रहा है तथा गोद पुत्र के संबंधित कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं है जो सजरा अंकित किया है उक्त सजरे को भी वादी ने दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कराया हैं। जबकि वकील प्रतिवादी संख्या 1 व 2 ने वादपत्र के खण्डन में वादावा के अनुसार वादपत्र की कलम नं0 1 में सजरे को गलत बताया गया हैं। तनकी वादी के विरुद्ध तथा प्रतिवादी के पक्ष में निर्णित की जाती हैं।

उपखण्ड अधिकारी  
भीलवाड़ा (राज.)

असफल रहने के कारण वादी का वाद पत्र खारीज किया जाना उचित समझती हूँ, अतः

:: आ दे श ::

वादी अपने वाद पत्र को सिद्ध कराने में असफल रहने के कारण वादी का वाद पत्र खारीज किया जाता है। खर्चा फरीकेन अपना-अपना वहन करें। तदनुसार देकी जारी हो ।

(चिन्मय गोपाल)

आई ए एस अधिकारी

उपखण्ड अधिकारी

भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा

आज दिनांक 11.12.2017 को निर्णय मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

उपखण्ड अधिकारी

भीलवाड़ा जिला भीलवाड़ा

भीलवाड़ा (राज.)